



प्रेस विज्ञप्ति

दिल्ली पुस्तक मेला में साहित्य अकादेमी का 'अस्मिता' कार्यक्रम हुआ आयोजित

आज महिलाएँ 'भी' नहीं 'ही' लिख रही हैं – ममता कालिया

28 अगस्त 2018। नई दिल्ली। दिल्ली पुस्तक मेला के दौरान आज साहित्य अकादेमी की ओर से 'अस्मिता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकादेमी का यह कार्यक्रम स्त्री लेखन को समर्पित है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात कथाकार और कवयित्री ममता कालिया ने की। कार्यक्रम में हिंदी की रचनाकारों – गीताश्री, प्रज्ञा, अंजू शर्मा और अनुपम सिंह तथा पंजाबी की वरिष्ठ कवयित्री अरतिंदर संधू ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम में गीताश्री ने अपनी कहानी 'मलाई' पढ़ी। यह कहानी एक निम्नआयवर्ग की युवती सुरीलिया की आकांक्षाओं और सपनों को प्राप्त करने की कोशिश की सार्थक अभिव्यक्ति थी। प्रज्ञा ने अपनी कहानी 'रेत की दीवार' प्रस्तुत की। कहानी में पुरुषों के प्रति स्त्री के भीतर के संशय और भय को प्रतिबिंबित किया गया था, किंतु कथापात्र झाइवर के प्रति उस स्त्री की आशंकाएँ तब निर्मूल साबित होती हैं जब वह उस पूरे परिवार के प्रति सहृदयता का व्यवहार प्रदर्शित करता है। अंजू शर्मा की कहानी में एक माँ के संघर्षों को बहुत ही मार्मिक ढंग से व्यक्त किया गया था। अरतिंदर संधू ने अपनी दो कविताएँ और एक कहानी सुनाई, जिसे श्रोताओं ने बहुत पसंद किया। हिंदी की युवा कवयित्री अनुपम सिंह ने अपनी तीन सशक्त कविताओं से स्त्री-मन का विस्तृत वितान रच दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष ममता कालिया ने सभी लेखिकाओं की रचनाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक समय था जब कहा जाता था कि महिलाएँ 'भी' लिख रही हैं और आज यह समय है जब महिलाएँ 'ही' लिख रही हैं। उन्होंने स्त्री लेखन के सौ वर्षों पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि नई पीढ़ी इस परंपरा को और समृद्ध कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए साहित्य अकादेमी में संपादक अनुपम तिवारी ने साहित्य अकादेमी की विभिन्न गतिविधियों का जिक्र करते हुए स्त्री रचनात्मकता के प्रोत्साहन, प्रकाशन और संवर्धन के लिए अकादेमी द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की विशेष रूप से चर्चा की।

(के. श्रीनिवासराम)